झूला झूलन पधारो श्यामा कुंज बिहारी।

झूला झूलन पधारो

झूला झूलन पधारो श्यामा कुंज बिहारी।
श्यामा कुंज बिहारी, राधा रसिक बिहारी।
श्यामा बांके बिहारी, राधा रमण बिहारी।
राधावल्लभ लाल, युगल जोरी उजियारी-झूला झूलन पधारो

आई सावन बहार, करे पवनियां शोर।
छाई घटा घनघोर, नाचें मोर चकोर ।।
नाचें भौर पपीहे, कूके कोयल कारी-झूला झूलन पधारो.

घुंघट कलियों ने खोले, आया फूलों पे शबाब ।
चंदन केसर चम्बा, महके मोतिया गुलाब ।।
रसभरी बूंदा-बांदी, चहूं ओर हरियारी-झूला झूलन पधारो.

पड़ा यमुना किनारे, झूला कदम्ब की डार।
ऋतु बड़ी ही सुहानी, पड़े शीतल फुहार ।।
छाया हर्षोल्लास, छाई मस्ती है भारी-झूला झूलन पधारो. झूला पड़ा है तैयार, होवे जय जयकार।

आवो आवो 'मधुप', हरि युगल सरकार ।।
आवो झूला झुलावो, हो रही इन्तज़ारी-झूला झूलन पधारो

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33573/title/Jhula-Jhulan-padharo-Shyama-Kunj-Bihari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |